University in News on 04 March 2024

i-NEXT PAGE 4

अब दो वर्षीय पीजी कोर्स में भी बदलाव की तैयारी

LUCKNOW (3 MARCH): लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अंतर्गत एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम के बाद दो वर्षीय पाठ्यक्रम में भी बदलाव की तैयारी में है. इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन अलग से अध्यादेश तैयार करेगा.

अध्यादेश लगभग तैयार

एलयू में एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम के लिए अध्यादेश लगभग तैयार हो गया है. जल्द ही लखनऊ विश्वविद्यालय इसे एकेडमिक काउंसिल से मंजूरी के बाद राजभवन में अनुमोदन के लिए भेजेगा. इस पाठ्यक्रम में स्नातक चार वर्षीय वालों को प्रवेश का मौका मिलेगा. डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय एक-वर्षीय पीजी अध्यादेश के बाद दो-वर्षीय पीजी अध्यादेश को तैयार करने पर विचार कर रहा है.

कमेटी बनाई जाएगी

उन्होंने बताया कि इसके लिए भी कमेटी बनेगी. इसमें पाठ्यक्रम का विस्तृत फ्रेमवर्क शामिल होगा. इसी अध्यादेश के अनुसार दो वर्षीय पीजी कोर्स विभाग तैयार करेंगे. महत्वपूर्ण है कि पाठ्यक्रम में संशोधन दूरदर्शिता के साथ किया जाए.

JAGRAN CITY PAGE III

प्रोफेसर ने मोदी की आर्थिक रणनीति पर लिखी किताब

300 पेज की किताब 'मोदी एम्पावर्स डेवलपमेंट' में विकास के हर पहलु का किया गया अध्ययन

जागसं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अर्थशास्त्री प्रोफेसर एमके अग्रवाल ने अपनी 15वीं किताब लिखी है। इस बार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक रणनीति और विकास पर आधारित 'मोदी एम्पावर्स डेवलपमेंट' किताब लिखी है। 300 पेज की इस किताब में उन्होंने विकास के हर पहलु का गहनता से अध्ययन किया है। हाल ही में उसका विमोचन उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया था।

लेखक प्रोफेसर एमके अग्रवाल बताते हैं कि इस किताब को लिखने की शुरुआत अगस्त 2020 में हुई थी। वर्ष 2022 के शुरुआती महीने में इसे पूरा किया गया। अब यह बाजार में आ गई है। उन्होंने मोदी एम्पावर्स डेवलपमेंट नामक अपनी किताब में पीएम मोदी की विकासात्मक पहलों के विश्लेषण में अकादमिक परिप्रेक्ष्य पर जोर दिया।

लवि के प्रोफेसर एमके अग्रवाल ने स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठन मंत्री सतीश कुमार को अपनी पुस्तक 'मोदी एम्पावर्स डेवलपमेंट' भेंट की ● जागरण

जीडीपी की सही दिशा निर्धारण का अध्ययन: प्रो. अग्रवाल बताते हैं कि किताब में उपयुक्त तकनीकियों को इस्तेमाल कर अर्थव्यवस्था को कुशल बनाने तथा लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने और जीडीपी की सही एवं भारत के लिए उपयोगी दिशा को भी निर्धारित करने का भी अध्ययन है। उन्होंने जीडीपी से जुड़े कई ऐसे उदाहरणों पर प्रकाश डाला, जहां सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से बनाई गई रणनीतियां सीधे जीडीपी वृद्धि में योगदान नहीं दे सकती हैं। किताब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्राक्कथन भी लिखा है।

किताब में हैं 18 अध्याय

प्रो. अग्रवाल की इस पुस्तक में 18 अध्याय शामिल हैं, जिनमें जम्मू और कश्मीर के विकास से लेकर, पूर्वोत्तर, आधार भूत संरचना, समावेशी विकास रणनीतियां, राजकोषीय विवेक, आत्मनिर्भर भारत, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य क्षेत्र, कृषि विकास, ई-गवर्नेंस, पर्यटन विकास, दूरसंचार, बिजली, स्पेस टेक्नोलाजी, अल्पसंख्यक विकास, उत्तर-पूर्वी राज्य और महिला सशक्तिकरण जैसे विभिन्न पहलुओं को डेटा व पालिसी के साथ गहन अध्ययन किया गया है। इससे जुड़े कार्यक्रम के प्रभाव कहां-कहां तक हो सकते हैं, यह भी बताया गया है।

लवि : दो वर्षीय पीजी कोर्स में भी बदलाव की तैयारी

विश्वविद्यालय एक वर्षीय पीजी कोर्स के बाद दो वर्षीय पाठ्यक्रम पर शुरू करेगा कार्य

जागसं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अंतर्गत एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम के बाद दो वर्षीय पाठ्यक्रम में भी बदलाव की तैयारी में है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन अलग से अध्यादेश तैयार करेगा।

लवि में एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम के लिए अध्यादेश लगभग तैयार हो गया है। जल्द ही लवि इसे एकेडमिक काउंसिल से मंजूरी के बाद राजभवन में अनुमोदन के लिए भेजेगा। इस पाठ्यक्रम में स्नातक चार वर्षीय वालों को प्रवेश का मौका मिलेगा। डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय एक-वर्षीय पीजी अध्यादेश के बाद दो-वर्षीय पीजी अध्यादेश को तैयार करने पर विचार कर रहा है। इसके लिए भी कमेटी बनेगी। इसमें पाठ्यक्रम का फ्रेमवर्क शामिल होगा। अध्यादेश के अनुसार दो वर्षीय पीजी कोर्स विभाग तैयार करेंगे। महत्वपूर्ण है कि पाठ्यक्रम में संशोधन दूरदर्शिता के साथ किया जाए।

पीएचडी और यूजी कोर्स के लिए विभागों को भेजा पत्र : डीन एकेडमिक की ओर से भेजे गए पत्र के बाद कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने सभी संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों को 31 मार्च तक अध्यादेश के अनुसार प्री-पीएच. डी कोर्स वर्क और यूजी कोर्स का पुनः निर्धारण करने के लिए कहा है। यह बदलाव गवर्निंग बाडी, अध्ययन मंडल, संकाय परिषद से पारित कराकर मीटिंग अनुभाग में उपलब्ध कराना होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

नए कलेवर में नजर आएगा लखनऊ विश्वविद्यालय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ,

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही नए कलेवर में नजर आएगा। केन्द्र सरकार से मिले सौ करोड़ की मदद से विवि के संकाय, द्वार, पुस्तकालय और प्रयोगशालाएं में पुर्ननिर्माण में शामिल किये गए हैं।

100 करोड़ के सहारे पुर्ननिर्माण की शुरुआत हो गई है। लखनऊ विवि के द्वितीय परिसर में गेट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। फार्मेसी भवन में भी बदलाव किये जा रहे हैं। रविवार तक पुर्ननिर्माण कार्य तेजी से बढ़ा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पुर्ननिर्माण कार्य में आंशिक और पूर्ण कार्य सम्मिलित हैं। विवि के द्वार से लेकर संकाय भवन, प्रयोगशालाओं में सार्थक प्रयास का परिणाम देखने को मिलेगा। इससे छात्रों के बीच नई ऊर्जा का संचार होगा। पुस्तकालय की व्यवस्थाओं को भी विस्तार दिया जाना बाकी है। दीवारों को भी मजबूती देना है।

लखनऊ विवि में द्वार के निर्माण कार्य का जायजा लेते कुलपति आलोक कुमार राय, साथ में अन्य। अमृत विचार

▸▸ केन्द्र सरकार की ओर से दिया गया है सौ करोड़ का मद

▸▸ पुर्ननिर्माण में विवि के कई संकाय व द्वार भी किए गए शामिल

सुरक्षा बिन्दुओं पर भी रखी जाएगी नजर : हाल दिनों में विवि परिसर के भीतर चंदन के पेड़ काट लेने वाली घटना को विवि प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। इसको लेकर सुरक्षा संबंधी बिन्दुओं को क्रॉस चेक किये जाने के निर्देश विवि के कुलपति की ओर से दिये गए हैं। दोषी सुरक्षाकर्मी को बाहर का रास्ता दिखाकर जल्द ही कुछ और पर गाज गिरने की बात सामने आई है।

प्रशासनिक भवन और छात्र अध्ययन के मार्गों में होगा बदलाव

जानकारों की मानें तो प्रशासनिक भवन जाने के लिए पहले गेट से केवल प्रशासनिक कर्मी और विवि के प्रवक्ता ही जा सकेंगे। इस मार्ग अन्य लोगों के आने - जाने में रोक - टोक लग सकती है। विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार आवागमन के लिए मुख्य बनाया जाएगा।

संवाद और नवाचार में लखनऊ विवि को बढ़त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स, एमिटी यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय कला की असीमित संभावनाएं - नवाचार, सहयोग एवं संवाद रहा। कार्यक्रम के दौरान पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभिक सत्र में मंच का संचालन सहायक प्रोफसर लालीप्रिया और छात्रा अभिलाषा अग्रवाल ने किया । कार्यक्रम में शोधकर्ताओं ने ऑफलाइन और ऑनलाइन शोध पत्रों को पेश किया। समन्वयक डॉ. प्रिया गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में करीब 21 प्रमुख विश्वविद्यालयों और संस्थानों से लगभग 135 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 28 शोधकर्ता और 79 छात्रों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र व अतिथि। अमृत विचार

▸▸ पोस्टर प्रतियोगिता में लखनऊ विवि के छात्र पुरस्कृत

25 से अधिक छात्र अनुसंधान पोस्टर प्रदर्शन प्रतियोगिता में शामिल हुए। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिमेश बाबूलाल सहित राजकुमार, हिमानी, चंचल और खुशी संयुक्त पोस्टर प्रतियोगिता में पुरस्कृत किये गए। इस अवसर पर डिप्टी प्रो वाइस चांसलर विंग कमांडर (सेवानिवृत्त), डॉ. अनिल कुमार, प्रो. पूजा वर्मा, डायरेक्टर एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स प्रोफेसर मंजू अग्रवाल, प्रो. कुमकुम रे, प्रो. डीएस कपूर फैकल्टी सदस्य और विवि के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ये विवि हुए शामिल

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, लखनऊ विवि, वनस्थली राजस्थान, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि, इंदिरा कला संगीत विवि आदि।